

(२३३)

(श्री)

१८/२८

वक्तृत्व-कला

लेखक

बाबू कृष्णगोपाल माथुर,
'साहित्यरत्न'।

प्रकाशक

नर्मदाप्रसाद मिश्र, बी० ए०,
दीक्षितपुरा, जबलपुर।

तृतीय संस्करण] ❀ [मूल्य १।) रुपया

१९२९ ई०